

What is Arya Samaj?

Arya Samaj is an institution founded by Maharishi Dayanand Saraswati based on the universal teachings of the Vedas. It is an organisation propagating universal message of the Vedas for the benefit of the entire humanity.

ARYAN VOICE

YEAR 37

12/2015-16

MONTHLY

June 2015

- **Open Day for parents to know more about proposed Dayanand Anglo Vedic (D.A.V.) Primary School, Handsworth, Birmingham
On Saturday, 27th June 2015
Between 2pm - 5pm.
At Shree Geeta Bhavan, 107-117 Heathfield Road,
Handsworth Birmingham, B19 1HL**

DAV Primary School will accept children from 4 years of age. For more information please ring Arya Samaj on 0121 3597727. Volunteers and Trustees from Arya Samaj West Midlands will be at hand to help you all the way. So please come along and see the details of new proposed School.

**ARYA SAMAJ (Vedic Mission) WEST MIDLANDS
(Charity Registration No. 1156785)**

**188 INKERMAN STREET (OFF ERSKINE STREET), NECHELLS, BIRMINGHAM B7 4SA
TEL: 0121 359 7727**

E-mail- enquiries@arya-samaj.org Website: www.arya-samaj.org

CONTENTS

The 10 Principles of Arya Samaj	3
We Salute Greed and Ungenerosity from Distance - Krishan Chopra	4
अध्यात्म के शिखर पर-२१	आचार्य डॉ. उमेश यादव 6
Hall Hire Advert	8
९ वाँ सँस्कार- कर्णवेध	आचार्य डॉ. उमेश यादव 9
Cost for our services	12
Vichar Gyan Pravah	13
Dayanand Anglo Vidyalaya (DAV) In Birmingham	14
Matrimonial Advert	16
Notices for Vedic Vivah Service (matrimonial)	17
Donation Boxes - Kind request notice	18
News (पारिवारिक समाचार)	19
Important Notices	25

**For General and Matrimonial Enquiries
Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)
Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm.
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727
E-mail- enquiries@arva-samai.org**

10 Principles of Arya Samaj

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.**
- 2. God is existent, formless and unchangeable. He is incomparable, omniscient, unborn, endless, just, pure, merciful, beginningless, omnipotent, the support and master of all, omnipresent, unaging, immortal, fearless, eternal, and holy, and the creator of the universe. To him alone is worship due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is the paramount duty of all Aryas to read them, teach and recite them to others and hear them being read.**
- 4. All persons should always be ready to accept the truth and to give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma, i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of the Arya Samaj is to do good to the whole World i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All ought to be treated with love, justice, and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (vidya) and dispel ignorance (avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone, but Should look for one's welfare in the welfare of all.**
- 10. In matters which affect the well-being of all people the individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority; in matters that affect him alone he is free to exercise his human rights**

We Salute Greed and Ungenerosity from Distance

By Krishan Chopra

ओ३म् या महती महोन्माना विश्वा आशा व्यानशे ।
तस्यै हिरण्यकेश्यै निरृत्या अकरं नमः ॥ अथर्ववेद ५.७.९

Ya mahati mahonmaanaa vishvaa aashaa vyaanashe ।
tasyai hiranyakeshai nirrityaa akaram namahh ॥
Athrva Veda 5.7.9

Yaa= whose
Mahati = mighty
Mahonmana = vast
Aisva = all
Asha = directions
Vyaanase = pervades
Tasyai = for that
Hiranyakasai = golden hair
Nirrtya = the greed
Akaram= from far away
Namah = salute

Meaning

The desire of greed is very strong, extensive and pervades in everything. It has golden hair, (it is very tempting). Therefore a person should say good bye from distance.

Contemplation

The Vedic concept, wealth is not condemned. A devotee of the Vedas prays to God to shower His blessing of wealth upon him. In the words of Yajur Veda – may we become the master of wealth **_vyam syam patyo ryinam**. It is paramount that wealth is not concentrated in society in few hands. It is desired that everyone in society has adequate share of wealth according to their basic needs. To hoard wealth by snatching it from others is merely greed. The tendency of snatching others wealth is born from the vicious notion of greed which has no limit.

In the words of this mantra the devilish notion of greed is unimaginably vast. The sky is its limit and it spreads in all directions. As soon as we nurture this notion in our mind, it makes us restless, it is very tempting. It is the enemy of contentment and without contentment no one can attain peace of mind. It generates selfishness and no compassion for others. The person becomes heartless.

Misers and greedy people ignore deprived and destitute relatives. It has golden hair. A greedy person cannot spare one golden hair for others but on the contrary they wish to hoard all gold. We are used to seeing its attractive side but the other hidden side is its selfishness, greed and ungenerous tendencies which is described in the words of the mantra as **nirriti**. It generates disparity in society and disparity generates anger and desperation. It is the duty of the people who run the government of any country to make sure that the wealth is properly distributed throughout the nation. Uneven distribution of wealth in society generates crime, disturbance, violence and discontent..

Therefore the mantra instructs us that not to nourish the notions of selfishness, greed and lack of ungenerosity in our minds and stay far away from ungenerous notions.

अध्यात्म के शिखर पर-२१

आचार्य डॉ. उमेश यादव

ईश्वर और जीव को पृथक्-पृथक् समझकर हमें यह भी समझना होगा कि जीव और ईश्वर की ईच्छा भिन्न-भिन्न है। जीव शरीर में रहकर सांसारिक सुख, साधन, आराम आदि की ईच्छा करता है और साथ ही मुक्ति गत् आनन्द की भी पर ईश्वर सब जीवों के जन्म-जन्मान्तर के भोग चक्र को पूरा करने के लिये सृष्टि के प्रारम्भ में वेद-ज्ञान प्रकट करने का ईक्षण करता है। सृष्टि उत्पन्न करना, सम्भालना, चलाना, कर्मानुसार सब जीवों को पाप-पुण्य जनक दुःख-सुख का फल निर्धारण करना आदि सब ईश्वर के ईक्षण में सम्मिलित है। यह ईश्वर का मुख्य कार्य है।

आगे हम थोड़ा वेद-विषय भी समझते हैं। वेद का प्रकाश कब और कैसे हुआ ? यह प्रश्न निम्न विवरण से स्पष्ट हो जायेगा। प्रथम सृष्टि के आदि में ऋग्वेद अग्नि ऋषि, यजुर्वेद वायु ऋषि, सामवेद आदित्य ऋषि और अथर्ववेद अँगिरा ऋषि के पवित्र आत्मा में परमात्मा द्वारा प्रकाशित किया गया। शतपथ ब्राह्मण का यह प्रमाण देखें- “ अग्नेर्वा ऋग्वेदो जायते वायोर्यजुर्वेदः सूर्यात्सामवेदः” यहाँ आदित्य ऋषि को सूर्य शब्द से प्रकट किया गया है क्योंकि आदित्य ऋषि को कहीं-कहीं सूर्य वा रवि शब्द से भी वैदिक साहित्यों में बताया गया है। कालान्तर में आदित्य, सूर्य और रवि पर्यायवाची शब्द माने गये हैं। अँगिरा ऋषि को अथर्ववेद का ज्ञान मिला। यह अर्थ यहाँ प्रकरण से निकाला गया है। कालान्तर में इन्हीं चार ऋषियों से चारों वेदों का ज्ञान ब्रह्मा ऋषि ने ग्रहण किया और इस प्रकार वेद का ज्ञान संसार भर में फैला। कदाचित इसी कारण ब्रह्मा ऋषि को चतुर्भुज कहा जाने लगा जो आलाँकारिक है। भुज शब्द यहाँ वेद के लिये प्रयुक्त है। मनुस्मृति का यह प्रमाण देखें- “ अग्निवायुरविभ्यस्तु त्रयं ब्रह्म सनातनम् । दुदोह यज्ञसिद्ध्यर्थमृग्यजुः

सामलक्षणम्” ॥ अथार्त् ब्रह्मा ऋषि ने सनातन वेद-ज्ञान को क्रमशः अग्नि ऋषि से ऋग्वेद, वायु से यजुर्वेद, रवि (आदित्य) से सामवेद और अँगिरा से अथर्वेद जाना ।

यहाँ यह विचारणीय होगा कि सृष्टि के आदि में (लगभग १९६८०९०५०० वर्ष पूर्व-देखें ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका-वेदोत्पत्ति-प्रकरण-महर्षि दयानन्द-कृत) जब मनुष्य बने तो सब मनुष्यों में श्रेष्ठतम पवित्र आत्मार्ये ईश्वर के ज्ञान में अग्नि, वायु, आदित्य और अँगिरा ये चार ऋषिगण ही माने गये । तभी ईश्वर ने कृपाकर इन्हीं चारों को उनकी पवित्र आत्मा में क्रमशः ये चार वेद ऋग्, यजुः, साम और अथर्व एक ही साथ प्रकाशित किये । वही परमात्मा / ईश्वर सब को उत्पन्न करके सृष्टि समेत सबको ही धारण भी कर रहा है । इस प्रकार परमात्मा ही सम्पूर्ण सृष्टि का स्वामी है । वेद स्वयं इसका प्रमाण है ।

यस्माद्दचो अपातक्षन् यजुर्यस्मादपाकषन् ।

सामानि यस्य लोमान्यथर्वागिरसो मुखं स्कम्भं तं ब्रूहि कतमः स्विदेव सः ॥
अथर्ववेद-१०.२३.४.२०

इस मंत्र का सामान्य अर्थ है कि जिस परमात्मा से ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद प्रकाशित हुये, वह परमात्मा कौन सा देव है ? इसका उत्तर यजुर्वेद के इस मंत्र में निहित है । जो सबको उत्पन्न कर धारण कर रहा है वह देव ही परमात्मा है । “ स्वयम्भूर्याथातथ्यतोऽर्थान् व्यदधाच्छाश्वतीभ्यः समाभ्यः ” ॥ यजु. ४०/८ महर्षि दयानन्द ने इसका अर्थ इस प्रकार किया-

“ जो स्वयंभू सर्वव्यापक शुद्ध, निराकार परमेश्वर है, वह सनातन जीव रूप प्रजा के कल्याणार्थ यथावत् रीतिपूर्वक वेद द्वारा सब विद्याओं का उपदेश करता है ।”-देखें-स.प्र. स.समु.-ऋषि दयानन्द कृत.। इससे यह स्पष्ट है कि ईश्वर ही सम्पूर्ण सृष्टि और सब वेद ज्ञान का मूल है ।

Arya Samaj (West Midlands)

Hall Hire

Perfect venue for –

- **Engagements**
- **Religious Ceremonies**
- **Community events**
- **Family parties**
- **Meetings**

Venue information –

- **£300 for 6 hours (min.)**
 - **£50 Hourly**
- **Main Hall with Stage**
 - **Dining hall**
 - **Kitchen**
 - **Cleaning**
- **Small meeting room**
- **Vegetarian ONLY**
 - **NO Alcohol**
 - **Free parking**

**For more information call us on
0121 359 7727**

**Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm Bank Holidays – Closed**

९ वाँ संस्कार- कर्णवेध

आचार्य डॉ. उमेश यादव

कर्णवेधो वर्षे तृतीये पंचमे वा-पा. गृह्यसूत्र १/१७-यह संस्कार आमतौर पर तीसरे अथवा पाँचवे वर्ष में किया जाना प्रामाणित है। कान या नाक छेदने का यह उपयुक्त समय है। इस समय तक इन अँगों का छेदव्य स्थान अनुकूल हो जाता है। यह संस्कार भी लिंग-भेद के दायरे में नहीं है। बालक हो या बालिका दोनों के लिये समान रूप से स्वीकृत है। यह अलग बात है कि आजकल केवल लड़कियाँ ही नाक-कान छेदवाती हैं। पुराने काल में लड़कों के लिये भी यह काफी प्रचलन था जो प्रमाण के अनुकूल था पर आज इसका लड़कों के लिये कम हो गया है। कहीं-कहीं आज भी लड़कों के लिये कान में कुँडल डालने का रिवाज है। कान के कुँडल तो श्री राम तथा श्री कृष्ण जी के लिये अत्यन्त प्रसिद्ध हैं कि उनके कर्ण-कुँडल अत्यन्त शोभायमान होते थे।

यद्यपि पुराने शास्त्रों में नासिका-वेध नहीं लिखा है तथापि नारियों के नाक-छेदन को समझते हुये महर्षि दयानन्द ने इसी संस्कार के अन्तर्गत नासिका-वेध को भी स्वीकारा है। प्रायः नारियाँ कान और नाक दोनों में आभूषण डालती हैं। ऐसा स्वीकार कर इन्होंने नारी का सम्मान बढ़ाया है। “कर्णवेधो वर्षे तृतीये पंचमे वा” इस पारस्कर गृहसूत्रीय प्रमाण का अर्थ महर्षि ने इस प्रकार किया-“कर्ण वा नासिका के वेध का समय जन्म के तीसरे या पाँचवें वर्ष का है” देखें -सं.वि. द्वितीय संस्करण-कर्ण-वेध संस्कार-प्रकरण। अतः हमें इसे स्वीकारने में कोई आपत्ति नहीं है। यह तो केवल अलंकार धारण करने हेतु है जो बालक वा बालिका दोनों को समान अधिकार है: अपनी मनपसन्द वे चाहे नाक-कान जो भी वेधवाना चाहें: इसमें कोई आपत्ति नहीं है।

संस्कार के दिन- जिस दिन कर्ण वा नासिका वेधन की क्रिया करनी है, वच्चे को

स्नान करा शुद्ध वस्त्रालंकार धारण करावें और यज्ञशाला में लाकर विधिवत्
सँस्कार करें । वच्चे को वेधन-काल में उसका मन रिझाये रखने के लिये कुछ
अच्छी चीज खाने के लिये और खेलने के लिये कोई आकर्षक खेलौना भी दें ।

सँस्कार-प्रयोजन- “रक्षाभूषणनिमित्तं बालस्य कर्णो विध्यते”-सुश्रुत-सूत्रस्थान-१६/१
अर्थात् रक्षा तथा आभूषण के लिये यह सँस्कार है । दोनों कान या नासिका वेध
इन दो कारणों से ही किया जाता है । रक्षा या आभूषण । यह व्यवहार लड़का या
लड़की दोनों पर लागू होता है । लड़कियाँ नाक-कान दोनों में आभूषण डालती हैं
पर लड़के कहीं-कहीं केवल कान में ही कुँडल डालते हैं । रक्षा तो दोनों के वेधन में
है । वस्तुतः कर्ण वेध से एक ऐसा नस का वेधन होता है जिसका सम्बन्ध
आन्त्रवृद्धि (हरनिया) दोष को रोकने में सहायक है । इससे अँड-वृद्धि दोष भी
नष्ट होता है । इस प्रकार पुँसत्व नष्ट करने वाले रोगों से रक्षा होती है क्योंकि
कर्णेन्द्रियों का सम्बन्ध सीधा वीर्यवाहिनी नाड़ियों से है । इसके लिये कुशल वैद्य
या अनुभवी सुनार की आवश्यकता है जो कर्ण वा नासिका वेधन में प्रवीण हो;
जिसे अच्छी तरह कर्ण या नासिका स्थानीय नसों का सम्यग् ज्ञान हो, वही इस
कार्य को करने का सही अधिकारी है । निम्न यजुर्वेदीय मन्त्रों को पढ़कर विद्वान्
आचार्य के पौरोहित्य में और कुशल वैद्य या अनुभवी सुनार से वेधन-कार्य करावें
। ये मंत्र इस प्रकार हैं ।

ओ३म् भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवा भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः । स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवाँ
सस्तनुभिर्यशेमहि देवहितं यदाहुः ॥ यजु. २५/२१ -

इससे दायाँ कर्ण या नासिका वेधें । और ओ३म् वक्ष्यन्ती वेदागनीगन्ति कर्णं प्रियं
सखायं परिष्वजाता । योषैव शिक्ते वितताधि धन्वँज्या इयं समने पारयन्ति ॥
यजु. २९/४० - इससे बायाँ कर्ण या नासिका वेधें । वही कुशल वैद्य उन छिद्रों में
शलाका डाल दे और उचित औषधि लगा दे कि वे छिद्र पके नहीं; शीघ्र अच्छे हो

जाये । यहाँ ऋषि कश्यप के ये दो श्लोक भी यही पुष्ट करते हैं कि योग्य वैद्य का चयन बहुत आवश्यक है वरणा वेधित कर्ण वा नासिका में पाक आने से घाव बनने का डर बना रहेगा । ऋषि कश्यप के सन्दर्भित श्लोक इस प्रकार हैं-

१. कदा वेध्यं कथं वेध्यं कुत्र वेध्यं कथं व्यधः । हितोऽहितोऽत्यः कश्च तत्राज्ञः किं प्रपत्स्यते ॥

भावार्थ- नाक या कान कब, कैसे, कहाँ वींधें, इसका हानि-लाभ क्या है, यह सब एक कुशल वैद्य ही समझेगा । कोई अज्ञानी क्या समझेगा ?

२. तस्माद् भिषक् सकुशलः कर्णं विध्येत् विचक्षणः ।

शिशोः हर्षप्रमत्तस्य धर्मकामार्थसिद्धये ॥

भावार्थ- इस कारण इस कार्य को करने हेतु कुशल वैद्य ही चुने अथवा कोई अनुभवी सुनार जो वेधव्य स्थानों के नसों को अच्छी तरह जानता हो और लगाने वाली आवश्यक औषधि को जानता तथा साथ रखता भी हो । इस श्लोक का अन्तिम चरण का भाव संतान पर बहुत ही उत्तम संस्कार डालता है । उसकी प्रसन्नता, स्वास्थ्य और जीवन भर धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की सिद्धि के मार्ग पर चलता रहे ।

संस्कार गत् पठनीय प्रस्तुत यजुर्वेदीय मंत्रों का भाव भी हमें जानना चाहिये । कानों से भद्र सुनें, कानों में प्रियता यानि मिठास भरें, आँखें वस में रहकर भद्र देखें, इस प्रकार सारे अंग स्वस्थ रह अच्छी तरह कार्य करें और सदैव देवहित में ही सक्रिय रहें । इस प्रकार संतान पर उत्तम व्यावहारिक संस्कार डालते हुये उन्हें उत्तम चरित्र का स्वामी बनाना उद्देश्य है । भविष्य में वे कामाशक्ति पर काबू रख अँडवृद्धि आदि दोष से बचकर निरोग रहें -ऐसा प्रस्तुत यजुर्वेदीय दूसरे मंत्र का अभिप्राय है ।

Cost for our services

- Ordinary membership for Arya Samaj - £20 for 12 months.
- Hire of our hall £300 for 6 hours & there after £50 hourly.
- Matrimonial service - £90 for 12 months.
- Marriage Ceremony performed by our priest - £400.
- Havan performed at home by our priest will be £51.

VICHAR GYAN PRAVAH

On

**Astha TV
Sky Channel 837**

At

**9.30pm
Every evening**

**20minutes talk
by a learned Vedic Scholar.**

Dayanand Anglo Vidyalaya (DAV) **In Birmingham**

The 8th Principle of Arya Samaj states “We should all promote knowledge and dispel ignorance.” Arya Samaji people, wherever they are, have been actively promoting education in the world.

The members of the Board of Trustees have been working hard to open a DAV school in Birmingham for 4 to 11 years age children in Handsworth area of Birmingham.

The Vision of DAV School –

- 1. We want parents to be able to send their children for high quality education at our school called Dayanand Anglo Vedic (DAV) Primary School based in Handsworth area of Birmingham.**
- 2. Our school will follow the National Curriculum and prepare children for 11plus entrance examinations into good secondary schools.**
- 3. Our school will accept children from the age of 4 years in Reception class and will be building up from Reception in future. There will be 2 forms of entry and maximum no. of children in each form will be between 20 to 24 students.**
- 4. We want children attending our school to learn about British values. There will be an extra emphasis on teaching about Hindu (Vedic) way of life i.e. respect for**

teachers, parents and elders in the society, to speak truth and be honest and polite and tolerance for other members in the community and believe in God. Children will be taught about all prevailing religions in UK.

5. In addition to academic curriculum our school will offer Yoga classes, sports and dance classes.
6. Our school will be faith designated. We will be admitting up to 50% of pupils of Hindu faith and the rest will be open to pupils of all faiths and no faiths.
7. Our school will aim for each child to reach his/her full potential and aspire for higher education.

It is our sincere request to parents with 1 to 3 years old children to get in touch with Arya Samaj West Midlands in order to fill in "School support survey" to show their support for our school. Your support for our school will be much appreciated.

We are looking for a Head or Deputy Head Teacher of a Primary School to join our team of members working for proposed DAV Primary School. A recently retired Head Teacher will also be acceptable. We also need a Project Manager to join our team. Those of you who are interested please get in touch with us by telephoning Arya Samaj West Midlands no. 0121 3597727 or sending an email at enquiries@arya-samaj.org

Dr. Narendra Kumar
Chairman
The Board of Trustees
Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

VEDIC VIVAH (MATRIMONIAL) SERVICE

The vedic vivah (matrimonial) service has been running for over 30 years at Arya Samaj (West Midland) with professional members from all over the UK.

Join today.....

Application form and information can be found on the website
www.arya-samaj.org


Or

Call us on
0121 359 7727

Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm
Bank Holidays – Closed

Notices for Vedic Vivah Service (matrimonial)

- Matrimonial service charge - £90 for 12 months
- **Vedic Vivah Mela (Matrimonial get together) Saturday 30th May 2015. – Sadly was canceled, new date will be set for September and advertised in up coming Aryan Voices.**
- Please note that Arya Samaj Birmingham and Arya Samaj London are not linked. We both have our **OWN** Matrimonial list and all events are organized **separately**.
- Please note in every issue of Aryan Voice, if anyone that has a * asterisk at the end of there Job, **ONLY** wants to marry in there own caste. Eg

B4745 Hindu Brahmin Boy 26 5 ' 7" Chartered Accountancy* 

- All members' records have not been changed yet, as we are still waiting on caste forms, please keep checking this information every issue before you call.
- If you would like to add your caste to your record or state if you only want to marry in caste. Please e-mail or call us, so we can update your record.
- Everymonth in matrimonial list please check whole list, as members that have been deleted, may renew again months later and are being missed, as they take there place on the list depending on ref number order.
- Please inform us when your son or daughter is engaged or married, so we can remove their detail from the list.

Donation Boxes - **Kind request notice**

Dear All Arya Samaj and Matrimonial Members.

Last year we sent out donation boxes to each member for you to fill up with loose change.

We request kindly, that if you have filled up these boxes please send them in to Arya Samaj or deposit the money in to our account. All information is on the box.

Thank you to all members who have already fill their boxes and returned them to us.

If you would like a new box please contact the office on 0121 - 359 7727 and we will send you one.

If you haven't used your box, please do so, as all donations are appreciated and help your chairty.

We count on our member's support

Thank you in advance for your support and generosity

News

Condolence & Peace - Prayer:

- **Mrs. Subhasini Batra for the loss of her beloved husband Dr. Harish Chandra Batra. Our full sympathy with the family members & May God rest the departed soul in peace and give strength to every family member to bear the loss.**
- **Mr. Amrit Lal Poker & brothers for the loss of their respected mother Mrs. Gomtiven Shivgan Poker. Our full sympathy with the family members & May God rest the departed soul in peace and give strength to every family member to bear the loss.**
- **Mrs. Usha Prakash for the first year anniversary since the passing of her beloved husband Mr. Ved Prakash Arya. We are here for you and your children for any spiritual support. May God grant the eternal peace to Late Mr. Ved Prakash Arya.**

Many- many thanks and congratulations to sponsored vajmans for our Sunday Satsang.

- **Mrs. Baishakhi Sen Gupt for the birthday celebration of her son Nishan on 12th April, 2015.**
- **Mr. Varinder and Mrs Santosh Bahal for the birthday celebration of their grandchild Ria d/o Dr. Arun and Dr. (Mrs.) Parveen Bahal on 19th April, 2015.**

- **Mr. Rajesh and Mrs. Parveen Kumar for the 1st birthday celebration of their daughter Rishika on 26th April, 2015.**
- **Mrs. Vimla Dodd & Mr. Dodd for the birthday celebration of their daughter Kamana on 17th May, 2015.**
- **Mr. Ravinder Renukanta & family for being yajman on his birthday on 24th May, 2015**

Congratulations to families for doing Havan on happy occasions.

- **Mr. Ramsarup Kohli for his 91st birthday celebrations. May God give him long and healthy life.**
- **Mr. Sanjay and Mrs. Ritu Asopa for the birth of their lovely new baby daughter. May God bless them for all prosperities and happiness.**
- **Dr. Nitin Arora and Mrs. Ira Arora for Grih Pravesh havan.**
- **Mr. Anil Kohli for blessing of his nephew (Bhanja) Mohit before wedding.**
- **Mr. Jeetandra Vatta and Mrs. Pamela Vatta for blessing to their son Mohit before wedding. However this auspicious occasion would be performed in India.**

Donations to Arya Samaj West Midlands

- **Baishakhi Sen Gupta for donation & Rishi Langar £210**

- **Mr. & Mrs. Varinder Bahal for donation & Rishi Langar** **£402**
- **Mrs. Archana Bahal** **£21**
- **(Mrs) DR. Parveen Bahal** **£ 21**
- **Mr. Ram Prakash** **£20**
- **Mrs. R.K. Bassi** **£31**
- **Mr. Rajesh Salota for donation & Rishi Langar** **£21& £245**
- **Mrs. Raj Kapoor** **£20**
- **Mrs. Charu Malhotra for Rishi Langar** **£61**
- **Brij Bala Duggal** **£21**
- **Mr. S.P. Gupta** **£20**
- **Mr. Varun Rohilla** **£51**
- **Mr. Prem Nanda** **£20**
- **Mr. M.M. Sharma** **£11**
- **Mr Joshi ji** **£11**
- **Mr. Rajive Bali** **£5**
- **Mrs. Vimla Dodd for donation & Rishi-Langar** **£171**
- **Mr. Ravinder Renukanta for donation & Rishi-Langar** **£145**

Donations to Arya Samaj through Priest Services.

- **Mr. Ramsarup Kohli for havan on his 91st birthday.** £51
- **Mr. Manyu Prakash for donation & Rishi Langar** £201
- **Mr. Sanjay Asopa for Simantonayan Sanskar** £101
- **Mrs. Subhasini Batra** £100
- **Dr. Nitin Arora** £100
- **Mr. Anil Kohli** £51
- **Mr. Jeetandra Vatta** £51
- **Mrs. Indu Chopra for blessing havan to family.** £25
- **Mr. Bechar Lal Poker** £60

Donations given on Sunday 24th July for Nepal – Earthquake – Fund

- **DR. A Khanna & Mrs. S Khanna** £101
- **Dr. Narendra Kumar** £101
- **Mr. Satya Prakash Gupta** £101
- **Mr. V.P. Rawal** £20
- **Mrs. Surinder Aggarwal** £10
- **Mr. P. Prasad** £10
- **Mrs. Vibha Cale** £20
- **Mr. Rajinder Khosla** £20
- **Mr. J. Sethi** £20
- **Mrs. Sushila Sethi** £5

• Dr. HL & Mrs. SK Verma	£25
• Dr. Mrs. R.R. Joshi	£100
• Dr. (Mrs.) Shraddha Gulati	£101
• Dr. R. Prasad	£30
• Mr. K. Laroia	£201
• Dr. Roshan Bhoojhiawan	£10
• Mr. Arun Baijal	£20
• Mr. Paul Nischal	£101
• Mr. Ved Prakash Mehan	£51
• Mr. R.K. Khosla	£10
• Miss Prama Yadav	£15
• Ms Suraiya Makhdum	£5
• Mrs. R. Kohli	£100
• Mr. & Mrs. C. Joshi	£100
• Mr. Guru Verma	£20
• Mrs. Sukhmani Verma	£20
• Sukhdeep Kaur	£20
• Mrs. Asha Sharma	£101
• Ms. M.R. Sharma	£50
• Mrs. Gagan Malhotra	£100
• Dr. Arvind Sharma	£101
• Dr. Santosh Verma	£20
• Dr. Surender Sharma	£51
• Mr. Rakesh & Sama Khanna	£60
• Dr. T.N. Gupta	£101
• Lakshmi Gupta	£50
• Mr. Amit Panwar	£51
• Dr. P.D. Gupta	£100
• Dr. Saroj Adlakha	£101
• Acharya Umesh Yadav	£25
• Dr. Ullash Patel	£101
• Dr. Umesh Kathuria	£101

Total - £2450 - Thank you!

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on
0121 359 7727
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises are licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 7th June 2015 & 5th July 2015.**

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.

0121 359 7727

E-mail- enquiries@arya-samaj.org
Website: www.arya-samaj.org

IMPORTANT

Notices to Arya Samaj West Midlands Members

- Dear members, we are updating our email database for the membership of Arya Samaj West Midlands. We do not have email addresses of a large number of our members. In this time and age it is important to have this information. So if you have an email address please inform our office by emailing your address to enquiries@arya-samaj.org. Your cooperation will be highly appreciated.
- Dear members, this is an advance notice for a date for your diary - Annual General Meeting on Sunday, 26th July 2015. This will be held at our Bhavan. More details will be printed in July's Aryan Voice.

Notices to Matrimonial Members

- Sadly we had to cancel the Vediv Vivah Mela on Saturday 30th May 2015 (Matrimonial Get Together). A new date will be set for September 2015 – All information will be published in up coming Aryan Voices. We apologise to those members who sent in there forms.